Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding horticulture forestry in Himalayan region.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): अध्यक्ष महोदया, उत्तराखंड का पूरा हिमाचल क्षेत्र जैव-विविधता का बहुत बड़ा केन्द्र है। यह पूरा क्षेत्र जड़ी-बूटी के उत्पादन वानिकी और उद्यानीकीकरण के लिए विश्व में विख्यात है। इस क्षेत्र में संकर किस्म के बीजों का उत्पादन हो ताकि पूरे देश में बीज पहुंचाया जा सके। इस हिमालय के लिए एक अलग से रणनीति बननी चाहिए ताकि जड़ी-बूटियां सारे विश्व की व्याधियों को दूर कर सकें। आपको मालूम है कि जब लक्ष्मण जी मूर्छित हो गए थे तब हनुमान जी श्रीलंका से यहीं से जीवनदायिनी संजीवनी बूटी लेकर गए थे। मैं सरकार से मांग करता हूं कि हरिद्वार में एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का वानिकी, उद्यानीकी और गन्ना उत्पादन का शोध केन्द्र सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्नत किस्म के बीज, फल और सब्जी का प्रति हैक्टेयर उत्पादन बढ़ाने की दृष्टि से एक ठोस योजना बनाई जाए ताकि वहां की गरीबी और बेरोजगारी दूर हो। हिमालय में कृषि, उद्यानीकी, वानिकी, पुष्पोत्पादन, गन्ना उत्पादन, विपणन, नर्सरी हों, जिसमें उच्च किस्म के बीजों का वितरण हो, विभिन्न पहलों पर किसानों को प्रशिक्षण दिया जाए, विपणन की अलग व्यवस्था की जाए। निर्यात के लिए क्षमता बढ़ाई जाए ताकि पूरी दुनिया की व्याधि को उत्तराखंड और हिमालय दूर कर सके।

माननीय अध्यक्ष:

श्री डॉ किरीट पी सोलंकी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री शरद त्रिपाठी,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और

श्री नारणभाई काछड़िया को डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।